भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3153 का उत्तर

बालुरघाट-हिली और कालियागंज-बुनियादपुर नई रेललाइन

3153. श्री कार्तिक चन्द्र पॉल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल में बालुरघाट-हिली और कालियागंज-बुनियादपुर नई रेललाइन परियोजनाओं पर चल रहे कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या उक्त परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी का कार्य पूरा हो चुका है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त दोनों परियोजनाओं पर अब तक वर्ष-वार कितना व्यय हुआ है;

(घ) उक्त परियोजनाओं के पूर्ण होने और इसके परिचालनशील होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है; और

(ङ) सीमा और क्षेत्रीय संपर्क के लिए इनके महत्व को देखते हुए, उक्त कार्य में तेजी लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): बालुरघाट और हिली (30 किमी.) के बीच नई रेल लाइन का कार्य 2010-11 में स्वीकृत किया गया था। बहरहाल, यह परियोजना आगे नहीं बढ़ाई जा सकी और परियोजना के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं करने के कारण इसे रोक दिया गया था, तत्पश्चात्, जनता की मांग को देखते हुए, 2022 में इस परियोजना को आगे बढ़ाने का निर्णय

लिया गया। परियोजना की नवीनतम लागत ₹1,209 करोड़ है। मार्च 2025 तक ₹405 करोड़ का व्यय किया जा चुका है और वर्ष 2025-26 के लिए ₹187 करोड़ के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो गया है और कार्य शुरू कर दिया गया है।

कलियागंज-बुनियादपुर नई लाइन का कार्य 2010-11 में स्वीकृत किया गया था। बहरहाल, परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका और पश्चिम बंगाल राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं करने के कारण इसे रोक दिया गया था, तत्पश्चात, जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए 2024 में परियोजना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। परियोजना की नवीनतम लागत ₹1,147 करोड़ है, जिसमें से मार्च 2025 तक 38 करोड़ रु. का व्यय हो चुका है और वर्ष 2025-26 के लिए ₹128 करोड़ का आवंटन है। परियोजना के लिए कुल 168 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाने वाला है और भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

पश्चिम बंगाल:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजना और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹4,380 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹13,955 करोड़ (3 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 67,991 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 4,402 किलोमीटर लंबाई की 42 परियोजनाएं (12 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	12	1,032	337	11,368
आमान परिवर्तन	04	1,201	854	3,673
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2,169	511	8,370
कुल	42	4,402	1,702	23,410

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	रामपुरहाट-मंदार हिल नई लाइन और रामपुरहाट-मुरारई तीसरी लाइन (159 किलोमीटर)	1500
2	अजीमगंज-मुर्शिदाबाद नई लाइन (7 किलोमीटर)	164
3	बर्द्धमान-कटवा आमान परिवर्तन (52 किलोमीटर)	696
4	अहमदपुर-कटवा आमान परिवर्तन (52 किलोमीटर)	440
5	पाँशकुड़ा-खड़गपुर दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	408

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
6	लालगोला-जियागंज दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	124
7	कृष्णनगर-बेथुयाडहरी दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	152
8	नबद्वीपधाम-पाटुली दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	170
9	बेथुयाडहरी-प्लासी दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	132
10	अम्बिकाकालना-नबद्वीपधाम दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	145
11	नलहाटी-सागरदिघि दोहरीकरण (26 किलोमीटर)	193
12	तमलुक जंक्शन- बासुलिया सुताहाटा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	245
13	प्लासी-जियागंज दोहरीकरण (54 किलोमीटर)	234
14	अजीमगंज-मणिग्राम दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	150
15	न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	330
16	न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	445
17	सैंथिया-तारापीठ तीसरी लाइन (22 किलोमीटर)	186
18	आमबाड़ी फालाकाटा - न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण (37 किलोमीटर)	843
19	बैंण्डेल-बोइंची-तीसरी लाइन (31 किलोमीटर)	546
20	बोइंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन (26 किलोमीटर)	424
21	बाज़ार सौ-अजीमगंज जंक्शन दोहरीकरण (42 किलोमीटर)	343
22	सागरदिघी-मालदा टाउन दोहरीकरण (25 किलोमीटर)	248
23	खड़गपुर-नारायणगढ़ तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	270
24	मनिग्राम-निमतिता दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	713
25	पुरुलिया-कोटशिला दोहरीकरण (36 किलोमीटर)	393

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	चांडिल-पुरुलिया-अनारा-दामोदर तीसरी लाइन (121 किलोमीटर)	1932
2.	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन (83 किलोमीटर)	1542
3.	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 किलोमीटर)	11973
4.	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 किलोमीटर)	1209
5.	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन (33 किलोमीटर)	1147
6.	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	943
7.	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	3250
8.	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 किलोमीटर)	2136
9.	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर 5वीं लाइन (18 किलोमीटर)	350
10.	डानकुनि-बाल्टीकुरी तीसरी और चौथी लाइन (18 किलोमीटर)	429
11.	मुरारई-बड़हरवा तीसरी लाइन (49 किलोमीटर)	935
12.	राणाघाट-कृष्णानगर सिटी तीसरी लाइन (26 किलोमीटर)	446
13.	अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 किलोमीटर)	1630

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली आवश्यक अवसंरचना परियोजनाओं का क्रियान्वयन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण रोक दिया गया है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

कुल अपेक्षित भूमि	4,662 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	1,273 हेक्टेयर (27%)
अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि	3,389 हेक्टेयर (73%)

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हैक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हैक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हैक्टेयर में)	राज्य को भुगतान की गई राशि (करोड़ रुपए में)
1.	चांडिल-अनारा-बर्नपुर तीसरी लाइन	8	0	8	0
2.	नबद्वीपघाट-नबद्वीपधाम नई लाइन	107	0	107	50
3.	सैंथिया में बाईपास	22	0	22	0
4.	नैहाटी-राणाघाट तीसरी लाइन	13	0	13	1.3
5.	सिवोक-रंगपो नई लाइन	135	128	7	7.98
6.	कलियागंज-बुनियादपुर नई लाइन	168	0	168	0
7.	केनिंग-बागनखली नई लाइन	18	0	18	0
8.	आद्रा-सांका-रुकनी दोहरीकरण	5	0	5	0

9.	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर पांचवीं लाइन	15	0	15	0
10.	अनारा में रुकनी से अनारा स्टेशन तक रेल फ्लाईओवर	35	0	35	0
11.	गौरीनाथधाम छोर से पुरुलिया तक रेल फ्लाईओवर	34	0	34	0
12.	चंदनपुर-शक्तिगढ़ चौथी लाइन	5	0	5	0

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और तीव्र कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में शामिल हैं:

- निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- क्षेत्रीय स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।
- भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी को शीघ्रता से सुनिश्चित करने तथा परियोजना से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।

****